हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 25 .6 डिग्री
न्यूनतम 3 .5 डिग्री

12 हैफेड के अनुबंधित कर्मचारियों ने नौकरी सुरक्षा की उठाई मांग, एलएलए को सौंपा ज्ञापन

12 दिन का पारा चढ़ने से ठंड गायब, रात के तापमान में भी वृद्धि, फसलों को नुकसान की आशंका

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत 15 जनवरी को केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में चरखी दादरी के माईकलां निवासी सलीम को गिरफ्तार किया है। उसकी कार भी पुलिस ने कब्जे में ली है। थाना सदर पुलिस ने 13 जनवरी को हुए हादसे के बाद दर्ज मामले में गोठड़ा अहीर निवासी रामचंद्र को गिरफ्तार किया है। उसकी सैलेरियो कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। पुलिस ने गत वर्ष 14 अगस्त को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने यूपी के लोनी निवासी रमन कुमार को गिरफ्तार किया है। बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

नशीले पदार्थ के साथ एक चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने नशीला पदार्थ बेचने के आरोपी को स्मैक सहित गिरफ्तार किया है।

आरोपी पुनीत गुप्ता।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अनाज मंडी निवासी पुनित गुप्ता नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 2.61 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

हथियार सप्लाई करने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने हथियार मुहैया कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 16 जनवरी को एक आरोपी को देशी कट्टे व खाली खोल के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोपी से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे देशी कट्टा चिल्हड़ निवासी कपिल ने मुहैया कराया था। पुलिस ने इसके बाद आरोपी कपिल को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

बस की चपेट में आने एक की मौत

धारूहेड़ा। पुलिस थाने के पास एक प्राइवेट बस की टक्कर से करीब 60 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की मिनी बस से थाने के पास एक व्यक्ति को टक्कर मार दी है। सूचना के बाद पुलिस ने घायल को उठाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने बस चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

प्रशासन की ढील के कारण लंबे समय से बिगड़ रही स्थिति

अतिक्रमण की गिरफ्त में शहर, बाजार में सड़क पर दस फीट तक सामान, फिर वाहनों की अवैध पार्किंग

अतिक्रमण के साथ-साथ बाजार से गुजरने वाले ई-रिक्शा व चौपहियां वाहन जाम लगाने का काम कर रहे है। मकर संक्रांति के बाद शादी के सावे खुलने के बाद बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ शुरू हो गई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद की सुस्ती के कारण शहर के मुख्य बाजार सहित सरकुलर रोड पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। दुकानदारों ने फुटपाथ से आगे सड़क पर दस फीट तक सामान रखकर कब्जा किया हुआ है, वहीं रेहड़ी वाले सड़कों पर एक जगह टिक नहीं रहे है। बाजार में जहां लोगों की भीड़ दिखाई दी, रेहड़ी वाले वहीं बीच सड़क में बिक्री करने लग जाते है, जिससे बार-बार जाम की स्थिति बन रही है। मुख्य बाजार में सबसे ज्यादा गोकल गेट से मोती चौक के बीच व गोकल गेट चौकी के सामने रेलवे रोड पर व्यवस्था बिगड़ी हुई है। रेलवे रोड पर जहां दुकानदारों की ओर से रखे गए सामान से सड़क पूरी तरह घिर चुकी है,वहीं सामान के आगे वाहनों की अवैध पार्किंग यातायात बाधित कर रही है। नगर परिषद की ओर से लंबे समय से अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। दुकानदारों ने करीब 10 फीट तक सामान रखकर सड़क को सिकोड़ दिया है। अतिक्रमण के साथ-साथ बाजार से गुजरने वाले ई-रिक्शा व चौपहियां वाहन भी जाम लगाने का काम कर रहे है। मकर संक्रांति के बाद शादी के सावे खुलने के बाद बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ शुरू हो चुकी है। अतिक्रमण व वाहनों के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

रेवाड़ी। रेलवे रोड बाजार में सड़क पर रखे सामान व अवैध पार्किंग से लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

सरकुलर रोड पर अवैध पार्किंग बनी परेशानी

मेन बाजार व नाईवाली सब्जीमंडी में आने वाले लोगों के लिए अपने वाहन खड़े करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। बाजार में आने वाले लोग गोकल गेट चौकी से रेलवे रोड तक सड़क पर वाहन खड़ा करके चले जाते है, वहीं सब्जीमंडी में आने वाले लोगों ने नाईवाली पुल को पार्किंग स्थल बनाया हुआ है। इसके अलावा सरकुलर रोड पर जगह-जगह अवैध पार्किंग बनी हुई है, जिससे रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है। सरकुलर रोड पर बस स्टैंड के बाहर, अंबेडकर चौक, धारूहेड़ा चुंगी, रेलवे रोड, कानोड गेट, झज्जर चौक, ट्रामा सेंटर के पास, बावल रोड, ब्रास मार्केट, अनाजमंडी, नगर परिषद के पास, नाईवाली पुल व मेन बाजार में वाहन चालकों ने परमानेंट पार्किंग बना ली है। इन जगहों पर एक वाहन जाता है तो दूसरा खड़ा हो जाता है। इसके अलावा मॉडल टाउन में महाराणा प्रताप चौक से शिव चौक के बीच व शिव चौक से बस स्टैंड मार्ग पर पूरे दिन सड़क पर वाहन खड़े रहते है, जिससे कई बार निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सरकुलर रोड पर सबसे ज्यादा अव्यवस्था स्कूलों, बैंक व प्राइवेट अस्पतालों के बाहर देखी जा सकती है।

रेवाड़ी। गोकल बाजार में बीच सड़क में खड़ी रेहड़िया। फोटो : हरिभूमि

बाजार से गुजर रहे ई-रिक्शा व ऑटो

बाजार में फुटपाथों पर रखा सामान व सड़क पर खड़ी रेहड़ियां व्यवस्था बिगाड़ रही है। बाजार में नगर परिषद कार्यालय से लेकर भाड़ावास गेट, पुरानी सब्जीमंडी, मोती चौक, गोकलगेट बाजार, काठमंडी, रेलवे रोड बाजार, बजाजा बाजार, गुड़ बाजार, पंजाबी मार्केट, पुरानी अनाजमंडी व केवल बाजार पूरी तरह अतिक्रमण व्याप्त है। सवारिया भरने के चक्कर में ई-रिक्शा व ऑटो पूरे दिन बाजार से होकर आवागमन कर रहे है, जिससे थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थिति पैदा हो रही है।

रेवाड़ी। पुरानी सब्जी मंडी बाजार में लगा जाम।

चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना लाखों के जेवरात चोरी कर ले गए

रेवाड़ी। चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

रेवाड़ी। नंदरामपुर बास गांव में चोर खेतों में बने एक मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। मकान मालिक के घर आने पर चोरी का पता चला। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में रविकांत ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ रोहतक में रह रहा है। उसने गांव में अपने खेत में मकान बनाया हुआ है। जब वह वह रोहतक से गांव आता है, अपने मकान में जाता है। इस बार वह 16 जनवरी को अपने गांव आया था। जब वह खेत में बने मकान में पहुंचा, तो ताले टूटे हुए मिले। घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के स्वर्ण आभूषण चोरी कर ले गए। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

पॉयलट राजीव राठी का ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में निधन

रेवाड़ी। तटरक्षक बल में सहायक कमांडेंट की पोस्ट पर 'दमन' में कार्यरत पॉयलट राजीव राठी का 12 जनवरी को निधन हो गया। ऑन ड्यूटी एयरपोर्ट जाते समय एक सड़क दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई। राजीव राठी को सरकार ने देश सेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ फ्लाइंग ट्रॉफी देकर नवाजा था। राठी ने अब तक 1156 घंटे खोजी विमान उड़ाकर देश सेवा की थी। राजीव के पिता धर्मवीर राठी पुलिस से सहायक कमीशनर रिटायर्ड है। राजीव राठी की श्रद्धांजली सभा उनके निवास स्थान शिव कॉलोनी गली नंबर-1 में रखी गई है।

राजीव राठी

कार्यशाला में दी साइबर फ्रॉड से बचने की जानकारी

रेवाड़ी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सदस्य सचिव जगदीप सिंह के मार्गदर्शन तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा की देखरेख में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में पैनल एडवोकेट, मेडिएटर तथा पैरा लीगल वॉलिंटियर के लिए एकदिवसीय विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीजेएम अमित वर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार का साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत पुलिस या साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज करें, इसके अलावा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी सहायता ली जा सकती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एक हेल्पलाइन नंबर 01274-220062 चलाया हुआ है, जिस पर आमजन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा आमजन के लिए चलाए गए टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल करके फ्री कानूनी सहायता ली जा सकती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कानूनी सहायता अधिवक्ता हरीश कुमार शर्मा ने बताया कि साइबर फ्रॉड से बचने के लिए लंबे, जटिल और अद्वितीय पासवर्ड बनाएं, अज्ञात प्रेषकों से आने वाले ईमेल में किसी भी लिंक पर क्लिक न करें या अटैचमेंट डाउनलोड न करें, क्योंकि ये मैलवेयर फैला सकते हैं, ऑनलाइन या फोन पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सतर्क रहें।

नगदी व मोबाइल छीनने के दो आरोपी पकड़े

- आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल फोन बरामद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना बावल पुलिस ने गत वर्ष दिसंबर माह में एक कंपनी कर्मचारी के साथ मारपीट कर नगदी व मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पुलिस को दर्ज शिकायत में रेलवे रोड बावल पर एक मकान में किराए पर रह रहे मूल रूप से एमपी के बिऔला निवासी ओमप्रकाश ने बताया था कि वह बावल की एक कंपनी में कार्यरत है। 30 अगस्त 2025 की रात पह रेलवे पुल के पास एक दुकान से सामान खरीदने के बाद अपने कमरे पर जा रहा था। इसी दौरान तीन लड़कों ने उसे एक ओर बुला लिया। तीनों उसे कच्चे रास्ते पर ले गए। उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी जेब से 6300 रुपये निकाल लिए। इन लोगों ने उसके मोबाइल फोन से यूपीआई के जरिए 1000 रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके पास मौजूद उसके दोस्त के मोबाइल फोन से भी 1270 रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके दोस्त का मोबाइल फोन छीन लिया, जबकि उसका मोबाइल फोन फेंककर तीनों बाइक से फरार हो गए। इसके बाद उसने पुलिस को कॉल करते हुए घटना की सूचना दी। पुलिस ने उसकी शिकायत पर गत वर्ष 31 अगस्त को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के तेहड़का निवासी सचिन उर्फ धोलिया व बावल के रसियावास फाटक के पास रह रहे मूल रूप से यूपी के निजामपुर निवासी सागर को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

रोडवेज में क्लर्क परवेन्द्र बने सेक्शन ऑफिसर

रेवाड़ी। परवेन्द्र को मिठाई खिलाते हुए यशपाल यादव। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। जिले के गांव जोनावास निवासी परवेन्द्र का सेक्शन ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। परवेन्द्र रेवाड़ी रोडवेज डिपो में क्लर्क के पद पर भर्ती हुए थे तथा वर्तमान में नूंह डिपो में बतौर क्लर्क कार्यरत है। परवेन्द्र ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता शमशेर सिंह नायब सूबेदार व मां शारदा देवी सहित परविहन विभाग के साथियों को दिया है। परवेन्द्र के सेक्शन ऑफिसर के रूप में चयनित होने पर हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ सम्बंधित भारतीय मजदूर संघ-1342 के राज्य सचिव व रेवाड़ी डिपो प्रधान यशपाल यादव ने अपने साथियों के साथ उनके निवास पर बधाई दी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद अदालत ने लगाया एक लाख रुपये का जुर्माना

- जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषी को 20 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी

रेवाड़ी। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश गुप्ता ने चार साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद व एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषी को 20 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। जिले के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि 1 नवंबर 2023 को उसकी चार साल की नाबालिग बेटी ने उसकी पत्नी को संवेदनशील अंग में दर्द होने की शिकायत की थी। बच्ची के संवेदनशील अंग में जख्म बना हुआ था। बच्ची ने बताया कि पड़ोस में ही रहने वाले एक व्यक्ति ने उसके साथ गलत हरकत की है। जिस पर रोहड़ाई थाना पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया और आरोपी के खिलाफ बच्ची के पिता की शिकायत पर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके आरोपी मामचंद को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद अदालत में चार्जशीट दायर की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए। साक्ष्यों और सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के एएसजे लोकेश गुप्ता ने आरोपी व्यक्ति को दोषी करार दिया।

रेस्टोरेंट में लगी आग से हजारों रुपये का सामान जला

रेवाड़ी। आग बुझाते हुए दमकल कर्मी।

कोसली। राजीव गांधी खेल स्टेडियम के पास एक रेस्टोरेंट पर बने कमरे में शनिवार दोपहर आग लग गई। आग से कमरे में रखा हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। महेंद्रगढ़ जिले के ढोंगली निवासी दिनेश शर्मा ने स्टेडियम के पास रेस्टोरेंट किया हुआ है। उसने रेस्टोरेंट के ऊपर का कमरा रहने के लिए लिया हुआ है। दोपहर के समय आसपास के लोगों ने कमरे से धुआं निकलते देखा, तो उन्होंने दिनेश को बताया। दिनेश ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दमकल गाड़ी मौके पर पहुंच गई। कुछ समय बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान कमरे में रखे घरेलू बिजली के उपकरण व अन्य सामान आग की भेंट चढ़ गए। ऐसा माना जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी।

युवक के खिलाफ अपहरण व रेप सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज

नाबालिग को भगाकर की थी शादी, किशोरी ने फंदा लगाकर जान दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

महज 16 साल से भी कम उम्र में प्रेम विवाह करने वाली 'बालिका वधू' की रात के समय संदिग्ध हालत में मौत हो गई। आरोप है कि युवक ने उसे जबरन घर से भगाकर गुपचुप तरीके से शादी की थी। पुलिस ने उसकी मां के बयान पर आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण व दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। राजीव नगर धक्का बस्ती निवासी युवक सानू ने लगभग 4 माह पहले गुपचुप तरीके से किशोरी के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के समय लड़की की उम्र लगभग 15 साल ही थी। लड़की के परिजनों ने इसका जमकर विरोध भी किया था। इसके बाद लड़की और युवक राजीव नगर में रह रहे थे। युवक सानू मजदूरी का कार्य करता है। बीते शुक्रवार को सानू किसी काम से चडीगढ़ गया था। शनिवार सुबह वापस आया तो उसका कमरा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर देखा तो नाबालिग का शव पंखे के हुक से फांसी के फंदे पर झूल रहा था। सूचना मिलने के बाद थाना मॉडल टाउन पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवाया गया। 'बालिका वधू' मौत की सूचना पर उसके परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस बयान में उसकी मां ने आरोप लगाया कि उसकी नाबालिग बेटी को करीब 4 माह पहले सानू जबरन भाग ले गया था। परिवार की मर्जी के बिना बाद में उसने गैर कानूनी तरीके से गुपचुप शादी कर ली। शादी के बाद व उसकी बेटी के साथ जमकर मारपीट करता था। सानू ने उसकी बेटी के साथ जबरन संबंध बनाया हुआ था। पुलिस ने मृतका की मां के बयान पर आरोपी सानू के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, आत्महत्या के लिए मजबूर करने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुय कर दिए।

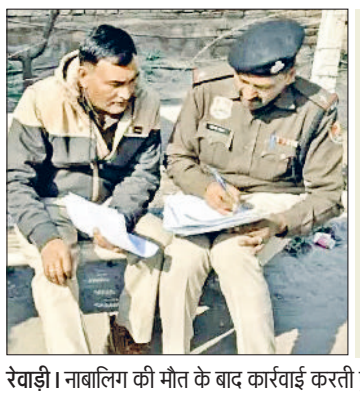

रेवाड़ी। नाबालिग की मौत के बाद कार्रवाई करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

दुष्कर्म व अपहरण सहित विभिन्न धाराएं लगाई

पुलिस ने मृतका की मां के बयान पर आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण व दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए हैं। -हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी।

उम्र व शादी को लेकर उठे सवाल

शादी के लगभग 4 माह बाद भी प्रेम विवाह करने वाली किशोरी बालिग नहीं हुई है। इस समय उसकी उम्र लगभग साढ़े 15 साल बताई जा रही है। उसकी मौत के साथ ही शादी को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नाबालिग ने प्रेम विवाह कर लिया और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। जांच अधिकारी ईश्वर सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद उसकी मां के हवाले कर दिया गया है।

सोलहराही इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ 20 को

रेवाड़ी। सोलहराही सेक्टर-1 स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 20 जनवरी मंगलवार को शाम को 5 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर परिसर में 7 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी बिजेन्द्र भारद्वाज मेहंदीपुर बालाजी धाम वाले ने बताया कि सुंदरकांड पाठ में दिल्ली से गायक धर्मबीर फौजी व रेवाड़ी से गायक गोपाल वर्मा मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। सुंदरकांड पाठ के मुख्य यजमान विजय कुमार व रीता रानी होंगे। मंदिर के संस्थापक भूपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में भक्तों के सहयोग से 30वें सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपीः नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

सर्वे में सामने आए बच्चों को नजदीकी स्कूल के स्पेशल ट्रेनिंग स्कूल में दाखिला देकर करवाया जाएगा ब्रिच कोर्स

ड्रॉप आउट बच्चों में जिले से 431 मिले, संडे तक चलेगा सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों ड्रॉप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों के लिए किए जा रहे सर्वे में अब तक 431 बच्चे सामने आए हैं, जो 6 से 14 और 16 से 19 साल तक के होने के बावजूद स्कूल नहीं पहुंच रहे। हालांकि सरकार द्वारा शरदकालीन छुट्टियां बढ़ाने के कारण इस सर्वे का पीरियड भी बढ़ा दिया है और यह अब इस संडे तक चलेगा। इसके बाद पुनः जिला स्तर पर रिपोर्ट साझा कर तैयार की जाएगी। ड्रॉप आउट बच्चों में ज्यादातर अप्रवासी मजदूरों के बच्चे शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के दिशा–निर्देशानुसार हर साल शिक्षा विभाग द्वारा ड्राप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों का सर्वे कराया जाता है। इस सर्वे के पीछे समग्र शिक्षा का उद्देश्य वंचित ड्रापआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होता है। इस सर्वे में शिक्षा स्वयंसेवकों व शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। अक्सर ईंट-भट्ठों, प्रवासी मजदूरों व अनाथ रहने वाले बच्चों की पहचान होती रही है। इस बार भी ऐसा ही सामने आया है। विभिन्न राज्यों से जिले में आए अधिकांश प्रवासी मजदूर अपने बच्चों को स्कूलों में नहीं भेजते हैं।

नारनौल। झुग्गी झोंपड़ियों में जाकर सर्वे करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिस कारण ये बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, क्योंकि प्रवासी मजदूरों का स्थायी स्थान नहीं होने के कारण कार्य के लिए कभी यहां कभी दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है। इसलिए वे अपने बच्चों को अपने साथ रखते हैं। ऐसे बच्चे वर्ष 2023-24 में 384 थे, जबकि वर्ष 2024-25 में 240 तथा वर्ष 2025-26 में 594 बच्चों की सर्वे के दौरान पहचान की गई। वहीं वर्तमान शिक्षा सत्र 2026-27 में करवाए जा रहे सर्वे में अब तक 431 ऐसे बच्चे चिह्नित किए गए हैं, जो किसी न किसी कारण पढ़ाई बीच में छोड़ चुके हैं या फिर किसी ने पढ़ाई ही शुरू नहीं है।

यह बोले डीपीसी

जो बच्चे सर्वे में पाए गए हैं, उन्हें एसटीसी में एडमिशन दिलाया जाएगा, ताकि उन्हें मुख्य धारा से जोड़ा जा सके और स्कूल में एडमिशन कराया जा सके। सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों को शिक्षा करना है, ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।
–अशोक शर्मा, डीपीसी, नारनौल।

162 बच्चों को कराया जा रहा कोर्स

सर्वे में संज्ञान में आया है कि ड्रॉपआउट बच्चों में अधिकांश संख्या ईंट-भट्ठों पर काम करने वाले मजदूरों, प्रवासी श्रमिकों, अनाथ व बेघर वाले के बच्चे होते हैं। इनके अभिभावक अक्सर रोजगार की तलाश में जगह बदलते रहते हैं और जगह बदलने के कारण बच्चों की बार–बार पढ़ाई छूट जाती है। इसी कारण सर्वे में चिह्नित बच्चों में से लगभग आधे बच्चे ही शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ पाते हैं। वर्ष 2025-26 के सर्वे में सामने आए 590 ड्रॉपआउट बच्चों में से केवल 162 बच्चों को ही विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में ब्रिज कोर्स के तहत शिक्षा दी जा रही है। इन बच्चों का कोर्स पूरा होने के बाद चालू शैक्षणिक सत्र में नजदीकी सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया जाएगा।

यह कहते हैं एसीपी

एसीपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि हर साल यह सर्वे किया जाता है और सरकार का मुख्य उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना है। सर्वे में जिन बच्चों की पहचान की जाती है, उनमें से जहां 15 या इससे अधिक बच्चे एक स्थान पर मिलते हैं, वहां एक स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर खोला जाता है, जो स्कूल के साथ ही चलता है। इस एसटीसी में ब्रिज कोर्स कराया जाता है। यह कोर्स लगभग छह महीने का होता है। यह कोर्स पूरा होने पर बच्चों को स्कूल में एडमिशन दिला दिया जाता है। या यह कोर्स पूरा होने से पहले जो बच्चे मुख्य धारा से जुड़ जाते हैं, उन्हें पहले ही स्कूल में एडमिशन दिला दिया जाता है। यह ब्रिज कोर्स छह महीने का होता है।

लॉजिस्टिक हब की जमीन के मुआवजे पर किसानों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप

भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत नहीं दिया मुआवजा, सहमति मॉडल पर उठे सवाल

पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश से या उच्च स्तर की सीबीआई जांच करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पत्रकार वार्ता करते सामाजिक कार्यकर्ता तेजपाल इंजीनियर।

नांगल चौधरी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके तेजपाल इंजीनियर ने लॉजिस्टक हब की जमीन मुआवजा राशि पर सवाल उठाए है। उनका आरोप है कि जमीन अधिग्रहण को लेकर किसानों के साथ बड़ा खिलवाड़ हुआ है। केंद्र सरकार ने 2013 में भूमि अधिग्रहण कानून लागू कर दिया था। इसके बावजूद यहां पर लॉजिस्टिक हब के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा किसानों को सहमति मॉडल के अनुसार दे दिया गया। जिसके हिसाब से किसानों को महज 30 लाख रुपये प्रति एकड़ मिले। अगर केंद्र सरकार के 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के हिसाब से राशि मिलती तो वह 66 से 80 लाख रुपये प्रति एकड़ होती। इस पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश से या उच्च स्तर की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। उनके साथ अजय राव, पूर्व डेलीगेट वेद प्रकाश कमानिया, धोलेड़ा के पूर्व सरपंच जगमाल यादव, कारोता के पूर्व सरपंच मनजीत चौधरी, लालाराम सूबेदार, हवलदार लालाराम, रमेश चंद, रोहताश, डॉक्टर गोपीचंद, विजय सिंह, राजू, नरेंद्र आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे!

वे शनिवार को निजी होटल में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बसीरपुर के किसानों की भूमि 30 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से प्रत्यक्ष खरीद/रजिस्ट्री के माध्यम से ली गई, यह प्रक्रिया उस समय अपनाई गई जब भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013पूर्ण रूप से लागू था। फिर किसानों से एक कागज पर दबाव डालकर हस्ताक्षर करवा कर जमीन खरीदने की रजिस्ट्री करवाने की प्रक्रिया क्यों अपनानी पड़ी? उन्होंने कहा कि 30 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर किसानों द्वारा तय नहीं की गई थी बल्कि उपायुक्त की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा पहले से प्रस्तावित की गई थी। किसानों को केवल इस प्रस्तावित दर पर सहमति जताने के लिए बुलाया गया। इसे स्वतंत्र मोलभाव या निष्पक्ष सहमति नहीं कहा जा सकता। किसानों की जमीनों की रेट तय करने की प्रक्रिया में बनी समिति के छह सदस्य थे, जिसमें नांगल चौधरी के भाजपा विधायक डॉक्टर अभय सिंह यादव व सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह भी थे। सरकारी रिकॉर्ड में यह दर्ज है कि कई किसानों ने जमीनों के रेट के संबंध में आपत्तियां दर्ज की थी। इसके बावजूद न तो उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई दी गई और ना ही उनकी आपत्तियों को खारिज करने का कोई लिखित कारणयुक्त आदेश पारित किया गया। यदि वास्तव में सहमति थी तो आपत्तियों को दबाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

किसानों को समिति से बाहर रखा

उन्होंने कहा कि जमीनों की रेट तय करने की समिति में जिला उपायुक्त, विधायक, सांसद एवं एचएसआईआईडीसी के अधिकारी शामिल थे, परंतु एक भी किसान या किसान प्रतिनिधि को सदस्य नहीं बनाया गया जिस भूमि का सौदा था उसके वास्तविक मालिकों को ही निर्णय प्रक्रिया से बाहर रखना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। लॉजिस्टिक हब के लिए प्रस्तावित लगभग 900 एकड़ जमीन के सौदे को लेकर प्रति एकड़ न्यूनतम 36 लाख से लेकर 50 लाख के हिसाब से करोड़ों का फायदा कंपनी एचएसआईआईडीसी को करवाया गया। उन्होंने कहा कि 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में गुणक 1.5 से 2 गुना, फिर 100 प्रतिशत सोलेटीयम, 12 प्रतिशत अतिरिक्त राशि तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन लाभ अनिवार्य है। इसके बावजूद किसानों को इन अधिकारों व भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ अभय सिंह यादव ने बिचौलिए की भूमिका निभाकर जो एचएसआईआईडीसी को करोड़ों रुपये का फायदा करवाया, इसमें उन्होंने कितने करोड़ रुपये का गबन किया, यह वाकई सवालों के घेरे में है।

लॉजिस्टिक हब के बिल्कुल पास पूर्व विधायक की जमीन

इंजी तेजपाल यादव नें कहा कि डॉक्टर अभय सिंह यादव बार-बार यह कहते नहीं थकते थे कि अगर लॉजिस्टिक हब के पास उनकी एक इंच भी जमीन मिल गई तो वह राजनीति छोड़ देंगे, उन्हें हम बताना चाहते हैं कि सरकारी रिकार्ड व जमाबंदी से स्पष्ट है कि डॉक्टर अभय सिंह यादव की लॉजिस्टिक हब के बिल्कुल पास में बशीरपुर गाँव की सीमा से लगभग 700 मीटर दूर अमरपुरा जौरासी गांव में 74 करनाल 10 मरला यानी कि लगभग सवा नौ एकड़ जमीन खरीदी गई है। जो निजी जमीन बसीरपुर के सीमा के पास अमरपुरा जोरासी गांव में खरीदी गई है, आने वाले समय में वह जमीन अरबों रुपये की होगी।

पैसा खाते में गया, चोरी नहीं

उन्होंने कहा कि अक्सर यह कहा जाता है कि पैसा किसानों के खातों में गया इसलिए कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ, जबकि वास्तविकता यह है कि भ्रष्टाचार पैसों के लेनदेन में नहीं बल्कि जमीनों की रेट तय करने और कानूनी अधिकारों को दबाने की प्रक्रिया में हुआ। रेट को जानबूझकर कम रखना व 2013 के भूमि अधिग्रहण के अनुसार भूमि को अधिग्रहण न करना और इसके बीच में मोटा मुनाफा कंपनी और जनप्रतिनिधि के माध्यम से कमाना ही असली घालमेल है।

क्या कहते है डा. अभय सिंह यादव

नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डा. अभय सिंह यादव ने इस मामले में पक्ष रखते हुए कहा कि लॉजिस्टक हब के लिए जमीन मुआवजा की जो प्रक्रिया अपनाई गई, वहीं प्रक्रिया रेवाड़ी में बन रहे एम्स की जमीन को लेकर अपनाई गई है। अन्य सभी आरोप निराधार है।

आज मनाई जाएगी माघ माह की मौनी अमावस्या

- शास्त्रों के अनुसार इस दिन ऋषि मनु का जन्म हुआ था इसलिए इसे मौनी अमावस्या भी कहा जाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। माघ माह में आने वाली अमावस्या, माघ अमावस्या या मौनी अमावस्या कहलाती है। इस बार माघ अमावस्या 18 जनवरी को है। शास्त्रों में माघ के महीने को दान-पुण्य, पूजा-पाठ आदि के लिए बहुत शुभ एवं पुण्यकारी माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन ऋषि मनु का जन्म हुआ था, इसलिए इसे मौनी अमावस्या भी कहा जाता है। ज्योतिषाचार्य दिलीप शास्त्री का कहना है कि इस दिन मौन रहकर ईश्वर की आराधना करने से विशेष फल मिलता है। इस दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु का पूजन करना बेहद शुभ होता है। पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए इस दिन को बेहद खास माना गया है। इस दिन दान, पिंडदान, तर्पण करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद देते है।

मौनी अमावस्या पर स्नान व दान का महत्व

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि यह धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मनुष्य को मौन रहते हुए गंगा, यमुना या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। पुराणों के अनुसार इस दिन सभी पवित्र नदियों और पतितपाविनी मां गंगा का जल अमृत के समान हो जाता है। इस दिन गंगा स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ करने के समान फल मिलता समान है। अमावस्या पर देवता और पितृ, प्रयागराज के संगम में स्नान करने आते हैं। ऐसे में जो भी व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में गंगा नदी में स्नान करता है, उसे लंबी आयु के साथ-साथ आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। यदि किसी व्यक्ति की सामर्थ्य त्रिवेणी के संगम अथवा अन्य किसी तीर्थ स्थान पर जाने की नहीं है तब उसे अपने घर में ही प्रातः काल उठकर सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि करना चाहिए, फिर गंगाजल ग्रहण करे। स्नान करते हुए मौन धारण करें और जाप करने तक मौन व्रत का पालन करें, इससे चित्त की शुद्धि होती है एवं आत्मा का परमात्मा से मिलन होता है। मौनी अमावस्या के दिन व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान, पुण्य तथा जाप करने चाहिए। ऐसा करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं, सुख-समृद्धि आती है।

बाबा गंगापुरी महाराज के वार्षिक महोत्सव पर खेल प्रतियोगिता व मेले का होगा आयोजन

कोसली। बाबा गंगापुरी सेवा समिति नाहड़ की ओर से बाबा गंगापुरी महाराज के वार्षिक महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता व मेले का आयोजन किया जाएगा। समिति के संस्थापक प्रेमप्रकाश यादव ने बताया कि खेल महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ का शुभारंभ नाहड़ गांव के सरपंच महेंद्र यादव 25 जनवरी को करेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत नेशनल कबड्डी, वॉलीबाल, बुजुर्ग दौड़, महिलाओं की मटका दौड़ व 17 साल से कम आयु में लड़कियों की दौड़ का आयोजन किया जाएगा। वॉलीबाल की प्रथम विजेता टीम को 21 हजार रुपए, द्वितीय को 11 हजार रुपए, तृतीय विजेता को 51 सौ रुपए और चतुर्थ विजेता को 31 सौ रुपए की राशि पुरस्कार में दी जाएगी। नेशनल कबड्डी में 55 किलो वर्ग में प्रथम विजेता को 25 हजार रुपए, द्वितीय को 15 हजार रुपए, तृतीय को 71 सौ रुपए व चतुर्थ विजेता को 51 सौ रुपए की राशि पुरस्कार में दी जाएगी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

मंडी अटेली। अटेली में क्षेत्रीय परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर एवं जिला ट्रैफिक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व जिला ट्रैफिक प्रभारी नरेश कुमार एवं क्षेत्रीय परिवहन निरीक्षक बृजभूषण ने किया। इस मौके पर राहगीरों एवं सड़क से गुजरने वाले विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के पंपलेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के बारे में समझाया गया। इस मौके पर जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार एवं परिवहन निरीक्षक बृजभूषण ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का वाहन चालकों को पालन करना चाहिए, जिससे कभी भी दुर्घटना नहीं होगी। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करें। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही सीट बेल्ट का उपयोग, यातायात संकेतों, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने का महत्व समझाया। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर अंजू, आशीष के अलावा अन्य मौजूद रहे।

सिसोट में ग्राम सभा की बैठक आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव सिसोट के पंचायत घर में ग्रामसभा की एक महत्वपूर्ण बैठक सरपंच वीरेन्द्र कुमार (विक्की) की अध्यक्षता में आयोजन हुआ। इस बैठक ग्राम सचिव राकेश कुमार, ग्राम सचिव विकास, ग्राम सचिव प्रवीण, नरेंद्र क्लर्क मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्राम के विकास कार्य करवाने के लिए ग्रामीणों के सुझाव से सहमति लेना रहा। बैठक में उपस्थित ग्राम सचिव राकेश कुमार एवं सरपंच वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि गांव में 500 गज से कम के पंचायती जगह (बचत) पर बने निर्माण को हरियाणा सरकार के आदेशानुसार मालिकाना हक देने के लिए जिन–जिन मकान धारकों ने अपने दस्तावेज तैयार करवा लिए, उनकी संख्या 97 है। उनके सबके नाम बोलकर उनके बारे में गांव के किसी अन्य सदस्य को कोई आपत्ति है तो बता सकता है। इसके साथ-साथ सरपंच ने ग्राम पंचायत द्वारा करवाए गए कार्यों को बताया, जिनमें गांव में बस अड्डे और श्मशान घाट पर पानी की टंकी का निर्माण करवाया, गांव की फिरनियों पर 50 तिरंगा लाइटें लगवाई, गांव व ढाणियों की कच्ची गलियों व नालियों को पक्का करवाया, गांव से ढाणी टेकचंद तक सड़क निर्माण करवाया। इसके बाद ग्रामीणों से गांव में पिछड़ा वर्ग के लिए चौपाल का नवनिर्माण करवाने, सीसीटीवी लगवाने, पार्क व ई-लाइब्रेरी बनवाने के लिए सहमति ली और जल्द ही इन योजनाओं को धरातल पर उतारने का विश्वास दिलाया।

मोहम्मदपुर के अमित यादव बने अनुभाग अधिकारी

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर निवासी अमित यादव ने हरियाणा राज्य में अनुभाग अधिकारी के पद पर चयनित होकर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाले अमित यादव पुत्र रमेश चंद यादव, वर्तमान में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने नौकरी के साथ-साथ निरंतर अध्ययन करते हुए कड़ी मेहनत और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। अमित यादव ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने स्वर्गीय दादा हरि सिंह बोहरा, परदादी-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, धर्मपत्नी डॉक्टर सोनू, बच्चों व पूरे परिवार को दिया। साथ ही उन्होंने हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के सहकर्मियों एवं अपने गुरुजनों योगेश जांगड़ा (लेखा अधिकारी), वरुण माहेश्वरी (सीए) और कुलदीप जांगड़ा (महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य परिवहन विभाग, नूंह) का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। अमित यादव की सफलता से गांव मोहम्मदपुर में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

जिम्मेदारी का ईमानदारी से करें पालनः प्रभा

महेंद्रगढ़। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशा–निर्देश अनुसार व एसडीएम कनिका गोयल मार्गदर्शन में 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों में कमी लाना है, जिसे जागरूकता, इंजीनियरिंग सुधार तथा सुदृढ़ आपातकालीन प्रतिक्रिया के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। प्रोफेसर डॉ. पूर्णप्रभा ने लोडिंग वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए और परिवहन संचालक एवं नागरिक समाज संगठन ड्राइवरों, पैदल यात्रियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया, ताकि सड़क सुरक्षा को लेकर समाज के हर वर्ग में जागरूकता लाई जा सके। पुलिस विभाग द्वारा तेज गति, नशे में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीटबेल्ट का उपयोग न करने जैसी असुरक्षित ड्राइविंग के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया भी चलाया जा रहा है।

कोहरे में रेल संचालन को सुरक्षित बनाने पर मंथन

मंडी अटेली। शीत ऋतु के दौरान बढ़ते कोहरे को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को न्यू अटेली रेलवे स्टेशन (डीएफसीसीआईएल) परिसर में रेल सुरक्षा को लेकर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य कोहरे के समय संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रेन संचालन को और अधिक सुरक्षित बनाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर खंड के मुख्य महाप्रबंधक आरएस चौधरी ने द्वारा की गई। सेमिनार में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुरक्षा मानकों पर प्रकाश डाला। अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सिग्नल देखने, ब्रेक लगाने और ट्रेन की गति नियंत्रित रखने में अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता होती है। इस दौरान लोको पायलटों व रनिंग स्टाफ को फॉग सेफ्टी डिवाइस के सही उपयोग, निर्धारित गति सीमा के पालन तथा निरंतर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को भी गंभीरता से सुना गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा से जुड़े सभी मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके उपरांत स्टेशन परिसर एवं रनिंग रूम का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारों की पहचान की गई और उन्हें शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए गए। सेमिनार में डीएफसीसीआईएल के अधिकारी, कर्मचारी, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन प्रबंधकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम सफल रहा।

मंडी अटेली। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की गति नियंत्रित करने की जानकारी देते हुए।

जिले के सौ से अधिक गांवों में विशेष ग्राम सभाओं का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से केवल पात्र व्यक्तियों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गांवों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पहले चरण के अंतर्गत शनिवार को जिले के 100 से अधिक गांवों में ग्राम सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन करते हुए सूची एकत्रित करने का कार्य किया गया। जिले में पांच चरणों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जनवरी तक सभी गांवों में ग्राम सभाएं संपन्न कराई जाएंगी। एडीसी एवं सीईओ जिला परिषद राहुल मोदी ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि पारदर्शिता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन हो और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। ग्राम सभाओं के दौरान सरकार द्वारा करवाए गए विकास कार्यों की भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

रेवाड़ी। गांव अलावलपुर में आयोजित ग्राम सभा में मौजूद ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकरी

ग्राम सभाओं में उपस्थित ग्रामीणों से सुझाव भी लिए गए, ताकि योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता शर्तों, आवेदन प्रक्रिया तथा लाभ से संबंधित विस्तृत जानकारी दी और उनकी शंकाओं का समाधान किया। ग्राम सभाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सामाजिक न्याय एवं पशुपालन विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

आयोजन

मंदिर भवन को भव्य रूप देने की आवश्यकता की जा रही थी महसूस

सैनीपुरा के प्राचीन हनुमान मंदिर के पुनर्निर्माण की रखी नींव

- भव्य धार्मिक समारोह के दौरान मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखी
- आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार का केंद्र बनेगा मंदिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला सैनीपुरा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन हनुमान मंदिर के नवनिर्माण की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मंदिर परिसर में आयोजित एक भव्य धार्मिक समारोह के दौरान मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विधि-विधान के साथ नींव की ईंट रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर के संस्थापक सदस्य सीयाराम सैनी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक स्थल समाज में एकता और शांति का संदेश देते हैं। उन्होंने मंदिर कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का एक उत्तम प्रयास है। यह मंदिर न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार का केंद्र भी बनेगा। मंदिर कमेटी के प्रधान विजय सैनी ने मंदिर के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस मंदिर की स्थापना लगभग 54-55 वर्ष पूर्व हुई थी। दशकों से यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। अब मंदिर रोड लेवल से नीचे हो गया था। उन्होंने कहा कि समय के साथ मंदिर भवन को भव्य रूप देने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसके लिए आज भूमि पूजन संपन्न किया गया है।

महेंद्रगढ़। मंदिर के पुनर्निर्माण की नींव रखते विधायक कंवरसिंह एवं अन्य।

निर्माण कार्य का लक्ष्य

हनुमान भक्त मनीष राजपूत ने निर्माण योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह मंदिर अत्यंत भव्य और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनेगा। कमेटी का लक्ष्य है कि मंदिर का निर्माण कार्य आगामी हनुमान जयंती से पहले पूर्ण कर लिया जाए, ताकि भक्त नए भवन में पवनपुत्र के दर्शन कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य यजमान सुंदरलाल मुकदम तथा सैनी सभा के पूर्व उपप्रधान कैलाश सैनी, सैनी सभा के पूर्व प्रधान रामसैनी, नरेश सैनी, पंकज सैनी, धोलिया हलवाई, मास्टर बनवारी लाल, भगवान सिंह, छाजूराम, जिलेसिंह फौजी, प्रकाश सैनी, जेडी सैनी, आरती, ओमप्रकाश हलवाई, सैनी सभा के सचिव होशियार सैनी, उपप्रधान महादेव सैनी, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन कृष्ण सैनी, ईश्वर आढ़ती, लक्ष्मी नारायण और किशोरी लाल गुर्जर, राजकुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर कमेटी द्वारा अतिथियों का जोरदार स्वागत किया गया। पूजा की समाप्ति के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच खीर और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

खबर संक्षेप

सेक्शन ऑफिसर बने दीपेंद्र का किया सम्मान

रेवाड़ी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर में कार्यरत लिपिक दीपेंद्र कुमार ने हरियाणा वित्त विभाग की शाखा ट्रेजरी और लेखा विभाग की ओर से हाल ही में घोषित हरियाणा स्टेट अकाउंट सर्विस परीक्षा के परिणाम में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार के साथ-साथ संस्थान का नाम रोशन किया है। दीपेंद्र ने कहा कि सेवा में आने पर सेक्शन ऑफिसर बनना उनका पहला सपना था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता सुनीता देवी, पिता बालकिशन, गुरुजनों व पत्नी अंजू को दिया है। संस्थान के प्राचार्य प्रदीप कुमार दहिया, सुभाष चंद्र व शमशेर सिंह सिरोही पूर्व प्राचार्य व संगीता यादव सेवानिवृत्त जॉइंट डायरेक्टर सहित अनेक प्रबुद्धजनों ने दीपेंद को बधाई दी। इस उपलब्धि पर संस्थान के सदस्यों ने दीपेन्द्र को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित भी किया।

कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन 20 व 22 को

रेवाड़ी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से आरकेवीवाई

स्कीम के फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराए गए कृषि यंत्रों का जिला स्तरीय कमेटी की ओर से 20 व 22 जनवरी को द्वितीय भौतिक सत्यापन किया जाएगा। सहायक कृषि अभियंता दिनेश शर्मा ने बताया कि विभाग की ओर से विभिन्न कृषि यंत्रों पर किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराने के लिए 20 अगस्त 2025 तक विभाग के पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। इसके उपरांत 4 सितंबर व 11 नवंबर 2025 को जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक में किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से चयन किया गया।

शून्य डिग्री से नीचे का पारा झेल चुके लोगों को ठंड से मिली कुछ राहत

दिन-रात के तापमान में वृद्धि, कई जगह छाया कोहरा, फसलों को भारी नुकसान का अंदेशा

जनवरी के दूसरे पखवाड़े में ही मौसम हुआ गर्म, फसल उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ने लगी

- बारिश नहीं होने से किसान चिंतित नजर आने लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

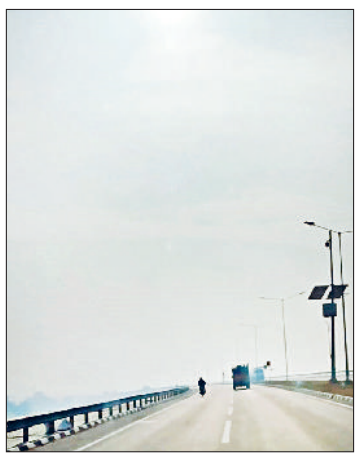

रेवाड़ी। शनिवार सुबह आसमान में छाई धुएं की चादर तथा एक खेत में सिंचाई फव्वारों से हो रही गेहूं की सिंचाई। फोटो : हरिभूमि

वैसे तो मकर संक्रांति पर्व के बाद सर्दी की विदाई मान ली जाती है, परंतु ठंड का असर फरवरी माह के पहले पखवाड़े तक बना रहता है। इस बार चंद दिनों कड़ाके की ठंड के बाद मौसम का मिजाज दिन के समय गर्म होना शुरू हो गया। इससे रबी फसलों को नुकसान की आशंका बन गई है। बारिश नहीं होने से किसान चिंतित नजर आने लगे हैं। अभी जल्द बारिश की कोई संभावना नहीं है। शनिवार को शाम के समय आंशिक बादल छाने से कुछ हद तक मौसम में बदलाव आ गया। बीते सोमवार से दिन का पारा चढ़ना शुरू हो गया था, जो निरंतर बढ़ता जा रहा है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। तेज धूप खिलते ही ठंड का असर काफी कम हो गया। दोपहर तक तो मौसम का मिजाज गर्म हो गया। अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री बढ़कर 25.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 3.5 डिग्री दर्ज किया गया। हवाएं 8 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलीं, जबकि नमी का स्तर 82 प्रतिशत तक रहा। दोपहर तक मौसम इस कदर गर्म हुआ कि सर्दी के कपड़े भी बदन का चुभने शुरू हो गए। जनवरी के पहले पखवाड़े में शून्य डिग्री से नीचे का तापमान झेल चुके लोगों को ठंड से काफी हद तक राहत मिली है।

किसानों को हल्की सिंचाई की सलाह

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जनवरी माह में ही मौसम का गर्म मिजाज रबी की प्रमुख फसलों सरसों और गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। गर्म मौसम में सरसों की फसल जहां रोग की चपेट में आ सकती है, वहीं जमीन का तापमान बढ़ने से गेहूं पर दीमक का हमला हो सकता है। किसानों को फसलों की नियमित हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जा रही है। किसान लगातार बारिश का इंतजार कर रहे हैं, परंतु इस साल इंद्रदेव उन पर मेहरबान नहीं हुए हैं।

प्रदूषण स्तर तेजी से बढ़ने लगा

प्रदूषण का स्तर एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। सुबह के समय एक्यूआई 400 के आसपास पहुंच जाता है। दोपहर तक तेज धूप के चलते शाम के समय इसमें कमी आ जाती है। शनिवार को सुबह के समय धारूहेड़ा का एक्यूआई 383 दर्ज किया गया, तो दोपहर बाद 200 से नीचे आ गया। कोहरे का असर नहीं रहा, लेकिन आसमान में प्रदूषण के कारण धुएं की परत बनी रही।

मौसम ले सकता है करवट

मौसम विभाग के अनुसार रविवार से एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है। आसमान में आंशिक या घने बादल छा सकते हैं, परंतु बरसात की अभी कोई संभावना नहीं है। मौसम में बदलाव के साथ तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

रेवाड़ी। डहीना-जाटूसाना मार्ग की क्षतिग्रस्त सड़क। फोटो : हरिभूमि

हादसों का सबब बन रही डहीना-जाटूसाना सड़क

लंबे समय से अधिकारी नहीं ले रहे सुध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डहीना

डहीना-जाटूसाना रोड की कुछ समय पहले ही लोक निर्माण विभाग की ओर से मरम्मत का कार्य कराया गया था। सड़क पर कई जगह बने मोटे गड्ढों को अधूरा छोड़ दिया गया, जिनके कारण अब हादसों की आशंका बनी हुई है। सड़कों से उड़ने वाली धूल ने भी लोगों को काफी परेशान किया हुआ है।

लगभग 15 किलोमीटर लंबाई वाली इस सड़क पर कई गांवों के आसपास मोटे गड्ढे बने हुए हैं। कंवाली से रामपुरी के बीच कई स्थानों पर सड़क टूटी हुई है। इसके बाद बेरली से पहले एक प्राइवेट स्कूल के पास सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस स्थान पर बीते माह ही एक पिकअप और डंपर के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई थी। इसके बाद भी लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। दिनेश स्वामी, अजीत सिंह, विवेक यादव व अनिल आदि ने बताया कि टूटी सड़क के कारण अक्सर इस रोड पर दुपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार होते रहते हैं। विभाग की ओर से कई स्थानों पर सड़क निर्माण अधूरा छोड़ा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

बेरली बस स्टैंड पर बुरा हाल

लोगों ने बताया कि बेरली बस स्टैंड पर सड़क का सबसे बुरा हाल है। मुख्य बस स्टैंड के तिराहे के तीनों ओर सड़क टूटी हुई है। इससे दिन भर धूल उड़ती है, जिस कारण दुकानदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। बेरली से जाटूसाना रोड भी कई स्थानों पर टूटा हुआ है। बेरली बस स्टैंड से डहीना और बालधन की जाने वाली सड़कों के टी-प्वाइंट की सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है।

हैफेड के अनुबंधित कर्मियों ने नौकरी सुरक्षा की उठाई मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

- नौकरी की सुरक्षा न होने के कारण कर्मचारी मानसिक तनाव में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा कौशल रोजगार निगम यानि एचकेआरएन के माध्यम से हैफेड विभाग में लंबे समय से सेवाएं दे रहे अनुबंधित कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर विधायक लक्ष्मण सिंह से मुलाकात की। कर्मचारियों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर सरकार द्वारा लागू किए गए नौकरी सुरक्षा अधिनियम 2024 का लाभ दिलवाने की मांग की। कर्मचारियों ने बताया कि वे जिले के हैफेड विभाग में कई वर्षों से कार्यरत हैं। सरकार ने अगस्त 2024 में नौकरी सुरक्षा अधिनियम की घोषणा की थी, जिसके तहत 5 वर्ष या उससे अधिक सेवा पूरी करने वाले एचकेआरएन कर्मचारियों को नौकरी की गारंटी दी जानी है। कर्मचारियों का आरोप है कि 1 जनवरी 2026 से सरकार ने इस अधिनियम को लागू करने के लिए पोर्टल खोल दिया है और अन्य विभागों के कर्मचारियों को समायोजित किया जा रहा है, लेकिन हैफेड विभाग का विकल्प पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार की घोषणा के अनुसार सभी विभागों के कर्मचारी इसके पात्र हैं, तो हैफेड के कर्मचारियों को इससे वंचित क्यों रखा जा रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि नौकरी की सुरक्षा न होने के कारण वे मानसिक तनाव में रहते हैं। यदि उन्हें इस अधिनियम के दायरे में लाया जाता है, तो उनका भविष्य सुरक्षित होगा और वे बिना किसी भय के अपनी सेवाएं सुचारू रूप से दे सकेंगे।

महाराणा प्रताप की 429वीं पुण्य तिथि पर कार्यक्रम कल

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक पर सोमवार 19 जनवरी को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 429वीं पुण्य तिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। महाराणा प्रताप जयंती समिति के तत्वावधान में सुबह 10 बजे वैदिक हवन और 11 बजे महाराणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि आयोजित की जाएगी। समिति महासचिव गजराज सिंह चौहान ने बताया कि आयोजन में महाराणा के जीवन दर्शन की विशेषता राष्ट्रवाद, स्वाभिमान और पराक्रम के संकल्प को सर्व समाज की भागीदारी आत्मसात करने का संकल्प लेगी।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को नशे व साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गांव छुरियावास, कमालपुर व बिठवाना में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। निरीक्षक रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। विद्यार्थी देश का भविष्य है, जिनकों पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाकर नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहना चाहिए। नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों व ट्रैफिक नियमों से भी अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत डायल 112 पर सूचना दें तथा यदि कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो इसकी सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें।

जानकारी सांझा नहीं

उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

बालावास जाट में कन्या जन्म पर कुंआ पूजन कर मनाई खुशियां

बावल। बावल विस क्षेत्र के गांव झाबुआ में कन्या जन्म पर परिवार ने कुआं पूजन समारोह का आयोजन कर खुशियां मनाई तथा प्रतिभोज का आयोजन भी किया गया। कन्या के दादा सुखबीर सिंह व दादी मूर्ति देवी ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उन्नति कर रही हैं। आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और समाज में नई पहचान बना रही हैं। बेटों के समान बेटियां भी सभी क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही है। कन्या के पिता एडवोकेट गोविंद सिंह व मां मोनिका देवी ने कहा कि बेटी दो-दो घरों को रोशन करती है, इसलिए समाज को बेटियों के प्रति भी सकारात्मक रूख अपनाना चाहिए। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, सुधा देवी, निखिल सिंह, बीना, आशा, ज्योति, नरेंद्र, मनोज, ऋषि, भाई निखिल मिथिल नाना धीरज, नानी सीमा, मामा जय, मामी ललिता सहित अनेक लोग मौजूद थे।

मानव रक्त अनमोल है, इसे सड़कों पर नहीं बहाएं: सुरेश कुमार

रेवाड़ी। एसडीएम कम सचिव आरटीए सुरेश कुमार ने कहा कि मानव का रक्त अनमोल है। इसे सड़कों पर बहने से बचाने के लिए यातायात के नियमों की पालना करनी चाहिए। ट्रैफिक नियमों की पूरी तरह पालना करने से सड़क हादसों में काफी कमी लाई जा सकती है। सुरेश कुमार शनिवार को शहर के एक प्राइवेट स्कूल में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़कों पर हादसों का सबसे बड़ा कारण यातायात

नियमों की पालना नहीं करना है। लापरवाही से वाहन चलाना हादसों का कारण बन जाता है, जिससे हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है। यातायात के नियमों की पालना से सड़क हादसों में काफी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वह वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों की पालना करें। नाबालिग बच्चे दुपहिया वाहन चलाने से बचें। दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं। इसी तरह वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं। सड़कों पर गलत लेन में वाहन चलाने से बचें। विपरीत दिशा में वाहन न चलाए। वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखे। इस मौके पर आरटीए स्टाफ से टीआई वर्षकेतु, संदीप कुमार, आरएसओ रमेश वशिष्ठ, स्कूल प्राचार्य सोनल छाबड़ा, उप प्राचार्य विजय गुप्ता व स्कूल प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारी,और सदस्य मौजूद थे। मंच संचालन लीना मखीजा ने किया।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के प्रतिभागी शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

जिलास्तरीय सरस्वती महोत्सव प्रश्नोत्तरी में गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज बना विजेता

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय सरस्वती महोत्सव प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा डिक्लेमेशन कांटेस्ट का आयोजन किया गया। उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के नौ राजकीय महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कम जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डा. ज्योति यादव ने की। उन्होंने सरस्वती नदी के महत्व, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत के बारे में बताते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए युवा पीढ़ी से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत बनाने के साथ-साथ पर्यावरणिक संरक्षण में भी अपना अहम योगदान देने की प्रेरणा दी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय कन्या महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा डिक्लेमेशन कंटेस्ट में राजकीय कन्या महाविद्यालय पाली की छात्रा विजेता रही।

बलिदानियों की प्रतिमाएं युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत: पवन यादव

- स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद कराने में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अखिल भारतीय यादव महापरिषद के प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर शहीदों तक की प्रतिमाएं युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत होती हैं। इन प्रतिमाओं से युवा पीढ़ी में देश भक्ति की भावना पैदा होती है। पवन कुमार खेड़ा अलामपुर में स्वतंत्रता सेनानी लालचंद यादव की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने में स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस तरह से अपनी जान की बाजी लगाई थी, उनके इस बलिदान का कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद कराने में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। आजादी के बाद भी देश के जवान मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहूति देने में पीछे नहीं हटते। ऐसे बलिदानियों की मूर्तियां हमेश युवा पीढ़ी में देश भक्ति का जज्बा पैदा करने का काम करती हैं।

राजनीति

बावल के बाद रेवाड़ी के पंचायत प्रतिनिधि उतरे केंद्रीय मंत्री के पक्ष में

कई गांवों के जनप्रतिनिधियों ने राव इंद्रजीत सिंह को बताया 'विकास पुरुष'

प्यार और सहयोग से मिला बड़ा मुकाम, नहीं जरूरत विरोधियों के सर्टिफिकेट की: खोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए रविंद्र खोला व नारेबाजी करते पंचायत प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधने वाले भाजपा के ही दो नेताओं के कारण अहीरवाल क्षेत्र की राजनीति गरमाने लगी है। बावल के बाद शनिवार को रेवाड़ी ब्लॉक के पंचायत प्रतिनिधियों ने पूरी तरह केंद्रीय मंत्री के समर्थन में उतरते हुए उन्हें अहीरवाल के विकास का असली 'हीरो' करार दिया। पंचायत प्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर कहा कि राव इलाके की जनता के प्यार और सहयोग से जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उससे उन्हें विरोधियों के सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है। उनकी छवि धूमिल करने वाले नेताओं को अपनी राजनीतिक हैसियत देखकर खुद के गिरेबान में झांकना चाहिए। ब्लॉक समिति चेयरमैन ममता यादव के पति रविंद्र खोला के नेतृत्व के शनिवार को रामपुरा के सरपंच नरेश यादव, हुसैनपुर से दीपक, नंगली गोधा से हेमंत, गंगायचा अहीर से संजीव, लाखनौर से ऋषिराज, भूरथल जाट से शिशपाल यादव पूर्व सरपंच, ब्लॉक समिति मेंबर योगेंद्र, राजकुमार, अजीत, गोविंद व महेश सहित कई जनप्रतिनिधि नारनौल रोड पर एक प्रतिष्ठान में एकत्रित हुए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए रविंद्र खोला ने कहा कि जनता के प्यार, सहयोग और भरोसे के कारण राव 4 बार विधायक और 6 बार सांसद बने हैं। उनका राजनीतिक कद दक्षिणी हरियाणा में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में बड़ा है। राव ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद न सिर्फ गुरूग्राम में अनेक बड़ी परियोजनाओं को सिरे चढ़वाया है, बल्कि अहीरवाल में एम्स और सैनिक स्कूल भी उन्हीं के प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने नारनौल से लेकर गुरूग्राम तक में केंद्र के कई प्रोजेक्ट लाने में बड़ी भूमिका अदा की है। उनकी बेटी आरती राव भी पिता की तर्ज पर न सिर्फ दक्षिणी हरियाणा, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने की दिशा में सार्थक प्रयास कर रही हैं। जिले के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए 96 करोड़ रुपये की राशि सरकार से मंजूर कराई गई है। 200 बेड के अस्पताल निर्माण की दिशा में भी आरती राव तेजी से प्रयास कर रही हैं।

छवि धूमिल करने वालों को मिलेगा जवाब

उन्होंने कहा कि इस समय दक्षिणी हरियाणा के दो भाजपा नेता ही राव इंद्रजीत सिंह की छवि धूमिल करने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। राव के मुकाबले उनका राजनीतिक कद कहीं नहीं टिकता है। इनमें से एक को गत विधानसभा चुनावों में जनता ने घर बैठा दिया है। राव पर बयानबाजी करने वालों को क्षेत्र की जनता ही सही तरीके से जवाब देने के लिए तैयार है।

जनप्रतिनिधि ही संभाल रहे पक्ष में मोर्चा

राव पर शुरू हुई टीका-टिप्पणी के बाद अहीरवाल क्षेत्र में जनप्रतिनिधि ही मोर्चा संभाल रहे हैं। जिला परिषद से लेकर ब्लॉक समितियों के तक के पदाधिकारी और सदस्य राव के पक्ष में मैदान में उतर रहे हैं। गत दिनों बावल में राव के पक्ष में जनप्रतिनिधि अनिल रायपुर के नेतृत्व में सामने आए थे। आने वाले दिनों में इसी तरह का घटनाक्रम देखने को मिल सकता है।

हनुमान मंदिर में 21 व 22 को प्राण प्रतिष्ठा

रेवाड़ी। सेक्टर-1 सोलहराही स्थित श्री पंचमुखी-दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में राम दरबार, अंजनि माता व राधा-कृष्ण की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के स्थापना दिवस पर धार्मिक आयोजन किए जा रहे है। मंदिर के वैदिक पंडित मोनू शास्त्री ने बताया कि मंदिर में अखंड रामायण पाठ व दूसरे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 21 जनवरी को प्रातः 9 बजे से अखंड रामायण पाठ शुरू होगा। 22 जनवरी को प्रातः 9 बजे हवन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे सभी श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

- अखंड रामायण पाठ व भंडारे का आयोजन भी

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

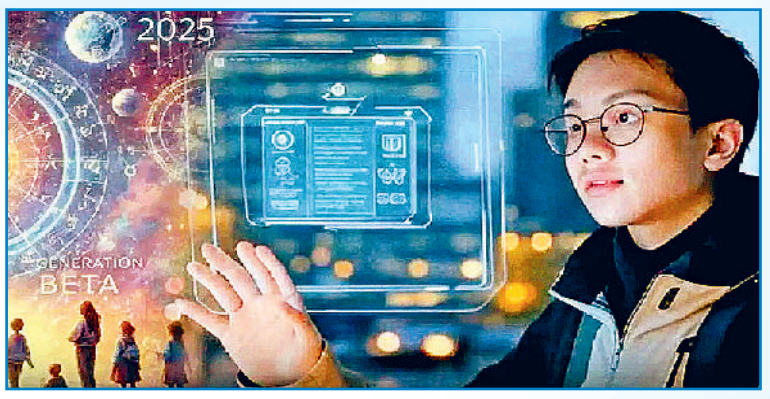

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

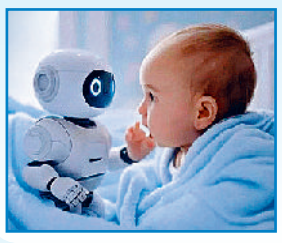

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

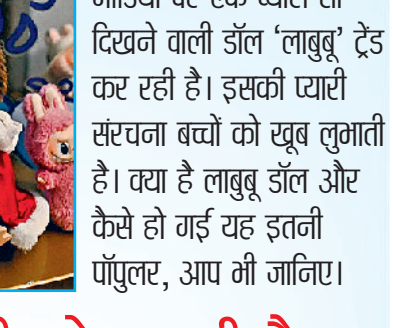
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

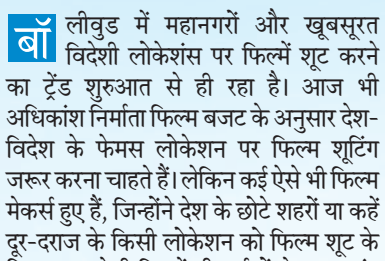
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *